



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, २४ अगस्त, १९९२/२ भाद्रपद, १९१४

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-१७१००२, १२ अगस्त, १९९२

संख्या पी०सी०एच०-एच० ए० (४) ३८/७६.—माननीय उच्च न्यायालय, हिमाचल प्रदेश के याचिका संख्या ७४५/९१ “जगदीश चन्द ठाकुर व अन्य, बनाम राज्य सरकार” में आदेश तिथि ८ अप्रैल, १९९२ की अनुपालना करते हुए तथा इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १९ दिसम्बर, १९९१, जो न्यायालय के तिथि ८-४-१९९२ के आदेशों से पूर्व जारी की गई थी, को रद्द करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, उन शक्तियों के अधीन, जो उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, १९६८ (वर्ष १९७० का १९वां

अधिनियम) की धारा 4 तथा 5 के अन्तर्गत प्राप्त हैं, जिला मण्डी के निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनः विभाजन/पुनर्गठन निम्न प्रकार से करते हुए ग्राम सभा क्षेत्रों की स्थापना के सहर्ष आदेश करते हैं:—

क्र० सं०	विकास खण्ड तथा वर्तमान ग्राम सभा का नाम	कोष्ठ संख्या 2 में वर्णित ग्राम सभा के गांव के नाम	कोष्ठ संख्या 2 में वर्णित ग्राम सभा से अप- वर्जित होने वाले ग्रामों के नाम	अपवर्जित ग्रामों से बनी ग्राम सभा का नाम तथा उसका मुख्य- वास	कोष्ठ संख्या 5 में बनी हुई ग्राम सभा में सम्मिलित होने वाले ग्रामों के नाम	विवरण
1	2	3	4	5	6	7

**विकास खण्ड: मण्डी सदर**

1. नवलाय	1. कुथाची 2. पारनु 3. नवलाय 4. खहाणी 5. काहरा 6. बुगा 7. सिकरधार 8. निशु 9. नगण 10. बनौल	1. बनौल	—	—	1. कोष्ठ नं० 4 में वर्णित ग्राम "बनौल" को ग्राम सभा नव- लाय से अपवर्जित करके ग्राम सभा घ्राहण में सम्मिलित किया जाता है। 2. कोष्ठ नं० 4 में वर्णित ग्राम को छोड़ कर कोष्ठ नं० 3 में वर्णित शेष गांव ग्राम सभा नवलाय में ही रहेंगे।
2. घ्राहण	1. डूहकी 2. विहन धार 3. धार 4. भेई 5. घ्राहण 6. निपूल 7. मेहण 8. डी० पी० एफ० मेहण। 9. डी० पी० एफ० खलवाड़ा।				ग्राम "बनौल" को ग्राम सभा नवलाय से अपवर्जित करके ग्राम सभा घ्राहण में सम्मिलित किया जाता है।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।